लापरवाही | लांजी के सिटी मेड केयर हॉस्पिटल की जांच के निर्देश, स्वास्थ्य विभाग के सामने कई गंभीर सवाल

बिना अनुमति चल रहा अस्पताल तो मरीजों की जिम्मेदारी किसकी!

नवभारत,लांजी। इलाज के लिए अस्पताल का दरवाजा खटखटाने वाला हर मरीज यह भरोसा लेकर पहुंचता है कि जहां उसका उपचार हो रहा है, वहां सरकार द्वारा तय सभी आवश्यक नियमों और सुरक्षा मानकों का पालन किया जा रहा होगा। लांजी में पिछले कुछ वर्षों में निजी स्वास्थ्य सेवाओं का तेजी से विस्तार हुआ है। इससे लोगों को सुविधा तो मिली है, लेकिन इसके साथ यह अपेक्षा भी बढ़ी है कि सभी अस्पताल निर्धारित कानूनों, पंजीयन और चिकित्सा मानकों का पूरी तरह पालन करें।

स्वास्थ्य सेवाएं विश्वास पर चलती हैं और उस विश्वास की रक्षा करना स्वास्थ्य विभाग की पहली जिम्मेदारी है। लेकिन यदि किसी अस्पताल में आवश्यक पंजीयन और अनुमतियां ही पूरी न हों, फिर भी मरीज भर्ती किए जा रहे हों, जांचें हो रही हों और इलाज जारी हो, तो सबसे बड़ा सवाल यह खड़ा होता है कि यदि किसी मरीज के साथ कोई गंभीर घटना हो जाए, तो उसकी जवाबदेही आखिर किसकी होगी? नगर के भिलाई मार्ग स्थित सिटी मेड केयर हॉस्पिटल को लेकर सामने आई जानकारी ने स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली पर भी प्रश्नचिह्न लगा दिए हैं। अस्पताल के संचालक द्वारा दूरभाष पर यह स्वीकार किया गया कि अस्पताल की विभिन्न सेवाओं के आवश्यक पंजीयन अभी प्राप्त नहीं हुए हैं तथा उनके लिए आवेदन किया गया है। इसके बावजूद अस्पताल में उपचार और अन्य चिकित्सीय सेवाएं संचालित की जा रही हैं।

वैधानिक अनुमति के बिना अस्पताल का संचालन

मामले की जानकारी मिलने के बाद मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी - सीएमएचओ ने जांच के लिए टीम गठित करने के मौखिक निर्देश दिए हैं। अब देखना होगा कि जांच कितनी निष्पक्ष और कितनी शीघ्र पूरी होती है। जानकारी के अनुसार अस्पताल में ओपीडी, मरीजों की भर्ती, आईपीडी, एक्स-रे तथा अन्य सुविधाएं संचालित की जा रही हैं। शिकायतकर्ताओं का कहना है कि इन सेवाओं के लिए आवश्यक वैधानिक अनुमतियां अभी प्राप्त नहीं हुई हैं। यदि जांच में यह तथ्य सही पाया जाता है, तो यह केवल प्रशासनिक लापरवाही का विषय नहीं बल्कि मरीजों की सुरक्षा से जुड़ा गंभीर मामला भी हो सकता है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि गांवों से आने वाले सामान्य और आर्थिक रूप से कमजोर मरीजों को छोटीण्छोटी बीमारियों में भी महंगी दवाइयां लिखी जा रही हैं, जिनका खर्च करीब 1,500 से 2,000 तक पहुंच जाता है। इस दावे की स्वतंत्र पुष्टि अभी नहीं हुई है, लेकिन यदि जांच में यह सही पाया जाता है तो गरीब मरीजों पर अनावश्यक आर्थिक बोझ का विषय भी जांच के दायरे में आएगा।

जानकारी के बाद भी बीएमओ ने नहीं की कार्यवाही

स्थानीय स्तर पर यह भी चर्चा है कि इस मामले की जानकारी पहले से संबंधित अधिकारियों तक पहुंच चुकी थी। यदि ऐसा है तो यह भी जांच का विषय होना चाहिए कि शिकायत मिलने के बाद समय पर निरीक्षण और आवश्यक कार्रवाई क्यों नहीं की गई। अब पूरा मामला स्वास्थ्य विभाग की जांच पर निर्भर है। यदि अस्पताल सभी आवश्यक नियमों का पालन कर रहा है तो जांच से यह स्पष्ट हो जाएगा। वहीं यदि अनियमितताएं सामने आती हैं तो संबंधित प्रावधानों के तहत कार्रवाई की जिम्मेदारी भी विभाग की होगी। दूसरी ओर जब इस संबंध में अस्पताल में कार्यरत बीएचएमएस डॉक्टर हेमंत नगपुरे से जानकारी चाही गई तो उन्होने दूरभाष पर अस्पताल में किसी भी तरह की वैधानिक अनुमति नहीं होने की बात स्वीकारी। परंतु उसके बाद आनन फानन में अस्पताल परिसर से सभी प्रकार के फ्लेक्स, बैनर एवं अस्पताल का नाम हटा दिया गया और मरीजों को छुट्टी दे दी गई ताकि प्रशासन का ध्यान भटकाया जा सके।

सवालों के घेरे में निष्पक्ष जांच

स्थानीय स्तर पर चर्चा है कि बीएमओ डॉ. अक्षय उपराड़े के परिवार के क्षेत्रीय विधायक से करीबी संबंध हैं। वहीं सिटी मेड केयर अस्पताल के संचालक बीएमओ के ग्राम से ही ताल्लुक रखते हैं। ऐसे में जब स्वास्थ्य विभाग के समक्ष इस प्रकार की शिकायतें पहुंची हैं, तो निष्पक्षता और पारदर्शिता बनाए रखने के लिए आवश्यक है कि मामले की जांच जिला स्तर या स्वतंत्र टीम से कराई जाए ताकि किसी भी प्रकार के हितों के टकराव की आशंका समाप्त हो सके। जनहित में यह भी आवश्यक है कि स्वास्थ्य विभाग जांच रिपोर्ट सार्वजनिक करे और यदि शिकायतें सही पाई जाती हैं तो नियमों के अनुसार कार्रवाई सुनिश्चित करे।

इनका कहना है

यह मामला आपके द्वारा मेरे संज्ञान में आया है, टीम गठित कर जांच कराता हूं, दोष सिद्ध पाये जाने पर वैधानिक कार्यवाही की जाएगी।

परेश उपलप,
सीएमएचओ बालाघाट

समय पर उपचार से बची सर्पदंश पीड़ित पवन सोनवाने की जान

प्रशासन ने सर्पदंश के मामलों में अंधविश्वास छोड़ तत्काल अस्पताल पहुंचने की अपील की

नवभारत, बालाघाट। बालाघाट जिले के बैहर विकासखंड के ग्राम मंडवा में समय पर मिले चिकित्सकीय उपचार ने एक सर्पदंश पीड़ित की जान बचा ली। यह मामला इस बात का उदाहरण बन गया है कि सर्पदंश की स्थिति में झाड़-फूंक और तंत्र-मंत्र के बजाय तत्काल अस्पताल पहुंचना ही जीवन बचाने का सबसे प्रभावी उपाय है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार 25 जुलाई की शाम करीब 6 बजे ग्राम मंडवा निवासी पवन सोनवाने को विषैले कोबरा सांप ने तीन से चार स्थानों पर काट लिया। सर्पदंश के बाद उनकी हालत गंभीर हो गई। परिजनों और ग्रामीणों ने सूझबूझ का परिचय देते हुए किसी भी अंधविश्वास का सहारा नहीं लिया और उन्हें तत्काल प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र बिठली पहुंचाया। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में मौजूद चिकित्सक डॉ. सौरभ उइके एवं स्वास्थ्य कर्मियों ने बिना विलंब किए मरीज को एंटी स्नेक वेनम (एएसवी) देकर उपचार शुरू किया। प्राथमिक उपचार के बाद मरीज की स्थिति स्थिर होने पर उन्हें जिला चिकित्सालय बालाघाट रेफर किया गया, जहां विशेषज्ञ उपचार के बाद उनकी हालत सामान्य हो गई और अब वे खतरे से बाहर हैं। अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) बैहर अर्पित गुप्ता के सतत मार्गदर्शन और जनजागरूकता अभियानों का सकारात्मक असर क्षेत्र में दिखाई दे रहा है।

एक नजर में

स्कूल के बच्चों ने नशा विरोधी रैली निकाली

नवभारत न्यूज उकवा। ग्राम रुपझर में प्राथमिक पाठशाला व माध्यमिक पाठशाला के बच्चों के साथ रैली निकाल कर नशे से दूरी है जरूरी 2.0 के संबंध में नारा लगाते हुए गांव के लोगों को नशा से दूर रहने की समझाइस दी गई। शासन के मंशा अनुरूप बच्चों के साथ घर परिवार का भविष्य सवारने घर के मुखिया या परिवार के अन्य मेंबर को किसी भी प्रकार के नशा से दूर रहने के अभियान अंतर्गत ये रैली निकली जा रही है। इसी कड़ी में नशा विरोधी जनजागरुकता लाने हेतु जिले के कप्तान श्री आदित्य मिश्रा के निर्देशन में रुपझर थाना प्रभारी कामेश धूमकेती के नेतृत्व में थाना स्टॉफ के साथ स्कूल के बच्चों ने एक विशाल रैली निकालकर थाने के सामने रोड से गुजरने वाले बसों को रोक कर बसों में बैठे सवारी से नशा नहीं करने और नशा से दूर रहने की संदेश दिया। इसके साथ ही उकवा रेंज ऑफिस में विभिन्न कार्यों के लिए आये लोगों को नशा मुक्ति के शपथ दिलाई गई नशा नहीं के करने की समझाइस दी गई बाद समनापुर,पोंडी,पोला पटपरी जाम टोला किनारदा आदि गांव के स्कूलों में जाकर बच्चों से नशे से दूरी है जरूरी 2.0 के संबंध में नशा के दुसप्रभावों के बारे में बताते हुए नशे से दूर रहने के समझाइस गांव के लोगों को भी दी गई शपथ भी दिलाई गई।

हम फाउंडेशन भारत की कार्यशाला हुई आयोजित

नवभारत, बालाघाट। 26 जुलाई को अखिल भारतीय स्तरीय सामाजिक सांस्कृतिक संगठन हम फाउंडेशन भारत की हर साल की भांति इस साल भी कार्यशाला का आयोजन श्री साईं प्रसादम रेस्टोरेंट गोंदिया रोड बालाघाट में किया गया। हम फाउंडेशन भारत मध्य प्रदेश के महासचिव यूनुस खान पप्पा भाई ने बताया कि राष्ट्रीय नेतृत्व आदरणीय निशिकांत चौधरी जी।और प्रदेश अध्यक्ष प्रोफेशर इकबाल अली जी के मार्गदर्शन में हर साल प्रत्येक शाखा में कार्यशालाओं का आयोजन किया जाता है जिसमें प्रदेश /प्रांत और राष्ट्रीय स्तर के प्राधिकारी सम्मिलित होते हैं। आज के इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में मध्य प्रदेश के कार्यकारी अध्यक्ष प्रमेश शंकर शर्मा जी नरसिंहपुर से पधारे तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में हम फाउंडेशन महाकौशल प्रांत के महासचिव मास्टर इंद्रपुरी गोस्वामी जी जबलपुर से पधारे थे।

कीचड़ वाली सड़क से आदिवासी ग्रामीण बेहाल

दशक बीत गया, चुनावी वादे के बाद भी नहीं बनी डामर सड़क

नवभारत कटंगी। पठार क्षेत्र की ग्राम पंचायत कुड़वा के अंतर्गत आने वाले ग्राम संग्रामपुर के आदिवासी आज भी अपनी मूलभूत समस्या से ग्रस्त हैं। बावनथडी नदी से लगा बालाघाट जिले के इस गांव में सड़क की बदहाली के कारण आदिवासी ग्रामीणों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

गांव में आने-जाने के लिए केवल एक ही मार्ग है, जो अब पूरी तरह कीचड़ में तब्दील हो चुका है। ग्रामवासियों का कहना है कि पिछले कई वर्षों से सड़क की हालत खराब है। इसमें पैदल चलना भी दुभर हो गया है। आपातकालीन स्थिति में गोरेघाट पहुंचना बहुत मुश्किल है, यदि कोई बिमार व्यक्ति को अस्पताल ले जाना है तो एंबुलेस तो छोड़िये मोटरसाईकिल भी नहीं आ सकती। पैदल चलकर खेतों तक पहुंचना पड़ रहा है। संग्रामपुर के साथ-साथ गोरेगाट के किसान भी खेती के लिए इसी रास्ते से गुजरते हैं। सड़क खराब होने के कारण लगभग 3 किलोमीटर तक पैदल चलकर खेतों तक पहुंचना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों के अनुसार ग्राम पंचायत कुड़वा के सरपंच द्वारा सड़क पर भस्मा मिट्टी डलवाई गई थी, जिससे कीचड़ और बढ़ गया है।

बरसात में स्थिति और गंभीर हो गई

बरसात में स्थिति और गंभीर हो गई है। रात में या आपातकाल में किसी की तबियत खराब होने पर इस मार्ग से मोटरसाइकिल तक नहीं जा पाती, एंबुलेंस की बात तो दूर है। ग्रामीणों का आरोप है कि हर चुनाव में जनप्रतिनिधियों द्वारा सड़क को सीसी या डामरीकरण कराने का आश्वासन दिया जाता है, लेकिन दशक बीत जाने के बाद भी संग्रामपुर की सड़क नहीं बन सकी है।

सीएचसी, उत्कृष्ट विद्यालय एवं एसडीएम कार्यालय का निरीक्षण

निर्माण कार्यों में लापरवाही पर कलेक्टर सख्त, नोटिस के निर्देश

नारायणगंज। कलेक्टर राहुल नामदेव धोटे ने निवास क्षेत्र के विभिन्न शासकीय कार्यालयों एवं संस्थानों का निरीक्षण कर विकास कार्यों तथा प्रशासनिक व्यवस्थाओं की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने निर्माण कार्यों की गुणवत्ता, शैक्षणिक गतिविधियों, पंचायतों की प्रगति एवं राजस्व मामलों की विस्तार से जानकारी लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

भ्रमण के दौरान कलेक्टर श्री धोटे ने ग्राम झालपानी में निर्माणाधीन आंगनवाड़ी भवन का निरीक्षण किया। निरीक्षण में भवन निर्माण की गुणवत्ता संतोषजनक नहीं पाई गई तथा वर्ष 2021-22 में स्वीकृत होने के बावजूद कार्य अब तक पूर्ण नहीं होने पर उन्होंने नाराजगी व्यक्त की। कलेक्टर ने एसडीएम को संबंधित सीडीपीओ एवं ग्राम सचिव को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए तथा निर्माण कार्य निर्धारित गुणवत्ता एवं समयसीमा में पूर्ण कराने के लिए कहा।

रिकार्ड में गड़बड़ी पर फार्मासिस्ट को नोटिस- निरीक्षण के दौरान कलेक्टर राहुल नामदेव धोटे ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के दवा भंडार एवं अभिलेखों का भी निरीक्षण किया। निरीक्षण में दवाओं के वास्तविक स्टॉक एवं रिकॉर्ड में अंतर पाए जाने पर उन्होंने स्टोर फार्मासिस्ट को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। साथ ही दवाओं के स्टॉक एवं अभिलेखों का नियमित मिलान करने, रिकॉर्ड अद्यतन रखने तथा दवा प्रबंधन में पूर्ण पारदर्शिता एवं जवाबदेही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने अस्पताल में चल रहे निर्माण कार्य का भी अवलोकन किया। उन्होंने शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय, निवास का निरीक्षण किया। विद्यालय की प्राचार्य श्रीमती नीलांजना दुबे ने बताया कि विद्यालय में प्रोजेक्ट संकल्प के तहत प्रतियोगी परीक्षाओं की विशेष कक्षाएं संचालित की जा रही हैं।

निवास में दो बाइकों की आमने-सामने से जोरदार टक्कर

पांच लोग घायल, एक की हालत गंभीर

नवभारत, नारायणगंज। निवास से बरेला मार्ग पर स्थित शासकीय महाविद्यालय निवास थाना क्षेत्र के सामने दो मोटरसाइकिलों की आमने-सामने जोरदार भिड़ंत हो गई। इस भीषण सड़क हादसे में दोनों बाइकों पर सवार कुल 5 लोग घायल हो गए हैं। स्थानीय लोगों की सूचना पर डायल 112 और 108 एंबुलेंस की मदद से सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र निवास में लाकर भर्ती कराया गया। यहां एक युवक की हालत गंभीर होने पर उसे बेहतर इलाज के लिए जबलपुर मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया गया है।

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार एक बाइक पर सवार होकर सुभाष मरावी, सविता बाई और बहादुर आर्मो निवास मुख्यालय अपना इलाज कराने के लिए आ रहे थे। वहीं दूसरी ओर निवास की तरफ से सुरजीत और अनूप सिंह अपनी बाइक से वापस अपने गांव की ओर जा रहे थे। इसी दौरान शासकीय महाविद्यालय के सामने दोनों बाइकों के बीच यह जोरदार टक्कर हो गई।

हादसे में ये हुए घायल

इस घटना में घायल हुए सभी व्यक्ति ग्राम हरिसिंगोरी, सुखरी, खरखरा और भैंसवाही क्षेत्र के रहने वाले हैं। घायलों में सुभाष मरावी पिता फागू सिंह 45 वर्ष निवासी ग्राम सुखरी, सविता बाई पति चंदन सिंह, 26 वर्ष, बहादुर आर्मो पिता मग्नू सिंह, 32 वर्ष, अनूप सिंह पिता नन्हे सिंह, 50 वर्ष निवासी ग्राम खरखरा घायल हुए है। वहीं सुरजीत पिता पर्वत मरावी, 28 वर्ष निवासी ग्राम हरिसिंगौरी की गंभीर हालत को देखते हुए जबलपुर रेफर किया गया है।

हादसे की सूचना मिलते ही निवास थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। पुलिस ने स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को अस्पताल पहुंचाया। फिलहाल, निवास पुलिस इस पूरी घटना और दुर्घटना के कारणों की विस्तृत जांच कर रही है।

शासकीय आईटीआई के 4 प्रशिक्षणार्थी बने प्रशिक्षण अधिकारी

कड़ी मेहनत रंग लाई

नवभारत, बालाघाट। शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) बालाघाट के लिए गर्व का विषय है कि संस्थान के चार प्रशिक्षणार्थियों का चयन मध्यप्रदेश कर्मचारी चयन मंडल द्वारा आयोजित प्रशिक्षण अधिकारी भर्ती परीक्षा के माध्यम से हुआ है। साधारण परिवारों के इन अभ्यर्थियों ने अपनी मेहनत, लगन और प्रशिक्षण अधिकारियों के मार्गदर्शन से यह उल्लेखनीय सफलता हासिल की है।

चयनित अभ्यर्थियों में इलेक्ट्रिशियन ट्रेड की अंजली डहारे (ग्राम कनकी) ने 98 पर्सेंटाइल प्राप्त कर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। उन्हें प्रशिक्षण अधिकारी दशरथ बिसेन का मार्गदर्शन मिला।इसी प्रकार स्विंग टेक्नोलॉजी ट्रेड की भूमेश्वरी नारनौरे (कालीमाटी, लांजी) ने 98 पर्सेंटाइल तथा सिद्धि भाषांत (ग्राम छपला, बिरसा) ने 99 पर्सेंटाइल प्राप्त कर सफलता हासिल की। दोनों को प्रशिक्षण अधिकारी सुश्री राखी मोटवानी का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। वहीं बेसिक कॉस्मेटोलॉजी ट्रेड की रश्मि विश्वास (बालाघाट) ने प्रशिक्षण अधिकारी ज्योति ठाकरे के मार्गदर्शन में 97 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रशिक्षण अधिकारी के पद पर चयनित होकर महिला सशक्तिकरण और कौशल विकास की दिशा में प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत किया।

हॉकी खिलाड़ियों ने नशे से दूर रहने का लिया संकल्प

नवभारत, बालाघाट। पुलिस द्वारा चलाए जा रहे नशे से दूरी है जरूरी अभियान के तहत 25 जुलाई शनिवार को शहर मुख्यालय स्थित शहीद चन्द्रशेखर एस्टोटर्फ मैदान में हॉकी खिलाड़ियों ने नशे से दूर रहने का संकल्प लिया। इस दौरान प्रमुख रूप से डीएसपी कमलेश परस्ते, जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी राहुल बारेसा, नेहरू स्पोर्टिंग क्लब अध्यक्ष किरण भाई त्रिवेदी, पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष रमेश रंगलानी, सचिव विजय वर्मा, पूरनसिंह भाटिया, सुशील वर्मा सहित अन्य मौजूद रहे। उपस्थित सभी खिलाड़ियों को डीएसपी कमलेश परस्ते द्वारा नशे से दूर रहने का संकल्प दिलाया गया। इस दौरान डीएसपी परस्ते व नेहरू स्पोर्टिंग क्लब के अध्यक्ष किरण भाई त्रिवेदी ने कहा कि हम सभी युवा खिलाड़ी इस देश का भविष्य है। हम सभी को संकल्प लेना होगा कि जीवन में नशा नहीं करेंगे व और लोगों को नशा करने से रोकेंगे। नशा शरीर के साथ परिवार का भी नाश कर देता है। इससे समाज भी प्रभावित होता है। म.प्र पुलिस द्वारा पूरे प्रदेश में नशे से दूरी है जरूरी अभियान चलाया जा रहा है। हमें नशे के दुष्परिणामों के बारे में लोगों को जागरूक करना चाहिए और समाज में नशे जैसी बुराईयों को दूर करने का कार्य किया जाना चाहिए। श्री त्रिवेदी ने कहा कि क्लब द्वारा जिले की खेल प्रतिभाओं को निखारने का प्रयास किया जा रहा है। जिले के खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन कर जिले का नाम रोशन कर रहे है। इस दौरान नेहरू स्पोर्टिंग क्लब के उपाध्यक्ष सुशील वर्मा, सहसचिव मकरंद अंधारे, राजेश सेवईवार, प्रभात तिवारी, संदीप नेमा, रमेश इंगले, तुषार मानकर, रमेश उके, रमेश दीक्षित, विनोद साव, गोपाल धुर्वे, सुभाष गुप्ता सहित अन्य उपस्थित रहे।

तिरोड़ी में 2 एकड़ शासकीय भूमि पर अतिक्रमण

आदेश के 1 साल बाद भी कार्रवाई शून्य

नवभारत कटंगी 26 जुलाई। तिरोडी ग्राम में मायल लिमिटेड के एक कर्मी द्वारा लगभग 2 एकड़ शासकीय भूमि पर अवैध कब्जे का मामला सुर्खियों में है।

ग्राम पंचायत तिरोडी द्वारा इस अतिक्रमण को हटाने के लिए जनसुनवाई में 3 बार शिकायत की जा चुकी है, लेकिन आज तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई।

ग्राम तिरोडी में प.ह.न. 22 स्थित शासकीय भूमि खसरा नं 575/19/1,578/3/1 रकबा. 405 हे. पर राजेन्द्र नायक पिता बाबुलाल , द्वारा अवैध रूप से पक्का मकान बना कर अन्य भूमि पर फेंन्सिग कर अतिक्रमण किया गया है, जिसकी सिकायत पर 2024 में तहसीलदार ने जांच के बाद अतिक्रमण हटाने का फैसला सुनाया था और 500 रुपये अर्थदंड भी लगाया था। तहसीलदार ने हल्का पटवारी को बेदखली रिपोर्ट पेश करने के निर्देश भी दिए थे, लेकिन आदेश के बाद भी अतिक्रमण नहीं हटाया गया।

जिम्मेदारों ने साधी चुप्पी

ग्रामीणों में इस बात को लेकर भी नाराजगी है कि गरीब भूमिहीन मकान बनाने पट्टे के लिए भटक रहे हैं और तिरोड़ी में सरकारी कर्मचारी और संपन्न लोग शासकीय भूमि पर अतिक्रमण कर रहे हैं। सरकारी आदेश के बाद भी जिम्मेदार मौन हैं।

कार्रवाई से परहेज किया जा रहा

ग्राम पंचायत के पदाधिकारियों का कहना है कि अन्य गांवों में शासकीय भूमि के अतिक्रमण पर त्वरित कार्रवाई होती है, लेकिन तिरोडी में कार्रवाई से परहेज किया जा रहा है। सरपंच और पंचों ने कलेक्टर कार्यालय में आवेदन देकर मांग की है कि तहसीलदार के आदेश का तुरंत पालन करवाकर शासकीय भूमि को अतिक्रमण मुक्त किया जाए, ताकि भविष्य में अन्य लोग अतिक्रमण नहीं कर सकें।

आत्मनिर्भरता | प्राकृतिक खेती एवं कृषि नवाचारों को अपनाकर कृषक ने बढ़ाई आय

समन्वित कृषि प्रणाली से आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ते कदम

नवभारत, बीजाडांडी। जिले के विकासखंड बीजाडांडी के ग्राम बारंगदा निवासी प्रगतिशील कृषक तान सिंह मरावी ने समन्वित कृषि प्रणाली, प्राकृतिक खेती एवं कृषि नवाचारों को अपनाकर आत्मनिर्भरता की दिशा में उल्लेखनीय कार्य किया है। उनके द्वारा कृषि, उद्यानिकी, मत्स्य पालन, पशुपालन एवं मुर्गीपालन जैसी विभिन्न गतिविधियों का सफल समन्वय कर अपने खेत को समन्वित कृषि मॉडल के रूप में विकसित किया जा रहा है।

बताया गया कि तान सिंह मरावी द्वारा खेती में जीवामृत एवं घनजीवामृत जैसे प्राकृतिक जैविक आदानों का उपयोग किया जा रहा है। प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण और कम लागत में बेहतर उत्पादन प्राप्त करने के उद्देश्य से वे निरंतर कृषि नवाचारों को अपना रहे हैं। वर्ष 2025 के रबी मौसम में कृषक द्वारा 0.20 हेक्टेयर क्षेत्र में काला गेहूं (श्याम व्हीट) की खेती की गई। इससे लगभग 3.50 क्विंटल उत्पादन प्राप्त हुआ और लगभग 22,750 रुपए की आय अर्जित हुई। इसी प्रकार 0.40 हेक्टेयर क्षेत्र में चिया सीड्स की खेती से लगभग 3 क्विंटल प्रति एकड़ उत्पादन प्राप्त हुआ तथा लगभग 45,000 रुपये की आय अर्जित की गई।

मत्स्य पालन से अतिरिक्त आय

कृषक द्वारा बलराम तालाब योजना एवं प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के अंतर्गत तालाब का निर्माण कराया गया। तालाब में मत्स्य पालन कर उन्होंने लगभग 25 हजार रुपये की अतिरिक्त आय अर्जित की। इस प्रकार फसल उत्पादन के साथ मत्स्य पालन को जोड़कर उन्होंने आय के अतिरिक्त स्त्रोत विकसित किए हैं। कृषि विभाग एवं आत्मा विभाग के कृषि अधिकारी श्रीमती संगीता श्रीवास्तव, सहायक तकनीकी प्रबंधक मोहित गोल्हानी, उद्यान विकास अधिकारी डीएस पटेल से मिला मार्गदर्शन।

कारगिल विजय दिवस: एनसीसी कैडेटों ने वीर शहीदों को दी श्रद्धांजलि

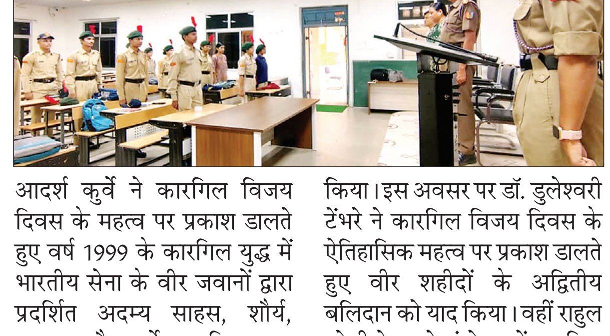

नवभारत, बालाघाट। कारगिल विजय दिवस के अवसर पर 26 जुलाई को पीएम श्री महाविद्यालय बालाघाट की राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) इकाई द्वारा वीर शहीदों की स्मृति में श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. अशोक कुमार मराठे के संरक्षण एवं 6 एमपी बटालियन एनसीसी के कमान अधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल विनीत कमल गुप्ता के मार्गदर्शन में हुआ। कार्यक्रम का संचालन एनसीसी अधिकारी डॉ. गजानन कटरे के नेतृत्व में किया गया, जबकि मंच संचालन यूओ तनु काटेकर ने किया।

कार्यक्रम में सीक्यूएमएस आदर्श कुर्वे ने कारगिल विजय दिवस के महत्व पर प्रकाश डालते हुए वर्ष 1999 के कारगिल युद्ध में भारतीय सेना के वीर जवानों द्वारा प्रदर्शित अदम्य साहस, शौर्य, पराक्रम और सर्वोच्च बलिदान का उल्लेख किया। उन्होंने कैडेटों से अनुशासन, कर्तव्यनिष्ठा, राष्ट्रभक्ति और राष्ट्रसेवा की भावना को अपने जीवन का हिस्सा बनाने का आह्वान किया। इस अवसर पर डॉ. डुलेश्वरी टेंभरे ने कारगिल विजय दिवस के ऐतिहासिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए वीर शहीदों के अद्वितीय बलिदान को याद किया। वहीं राहुल जोशी ने अपने संबोधन में कारगिल के अमर वीरों के साहस और त्याग को नमन करते हुए युवाओं से राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखते हुए देशसेवा के लिए सदैव तत्पर रहे।